સત્સંગ શિક્ષણ પરીક્ષા

બોચાસણવાસી શ્રી અક્ષરપુરુષોત્તમ સ્વામિનારાયણ સંસ્થા, શાહીબાગ, અમદાવાદ - 380 004.

સત્સંગ પ્રવેશ - ૧
SATSANG PRAVESH - 1

રવિવાર, 7 જુલાઈ, 2002 **સમય : સવારે 9 થી 11:15** **કુલ ગુણ :- 75**

CENTRE NO.
(કેન્દ્ર નંબર)

CENTRE NAME
(કેન્દ્રનું નામ)

EXAMINEE'S SEAT NO. (Write Clearly & Legibly)
(પરીક્ષાર્થીનો બેઠક ક્રમાંક (ચોક્સાઈથી સ્પષ્ટ અક્ષરે લખવો))

IN NUMERICS
(આંકડામાં)

IN WORDS
(શબ્દોમાં)

ઉત્તરની ભાષા (MEDIUM)

AGE OF EXAMINEE (ઉંમર).....

EDUCATION OF EXAMINEE .....
(પરીક્ષાર્થીનો અભ્યાસ)

(ઉપરની તમામ વિગતો સ્પષ્ટ વંચાય તેવા અક્ષરે લખાઇ છે
તેની ચકાસણી કર્યા પછી જ વર્ગ સુપરવાઈઝરે સહી કરવી.)
Signature Of Exam Supervisor .....
(વર્ગ સુપરવાઈઝરની સહી)

મોડરેશન કાર્યાલય માટે જ	પ્રશ્ન નંબર	મેળવેલ ગુણ
	1	
	2	
	3	
	4	
	5	
	6	
	7	
	8	
	9	
	10	
	11	
	12	
	13	
	કુલ ગુણ	

☞ **Note (નોંધ) :-**

1. Figures given on the right hand side indicate the marks for that question.
   (જમણી બાજુએ આપેલા અંકો જે તે પ્રશ્નોના ગુણાંક દર્શાવે છે.)
2. Follow the instructions while answering.
   (પ્રશ્નોના જવાબ સૂચના મુજબ આપવા.)
3. Answers should be clear without cancellations.
   (છેકછાકવાળા જવાબો માન્ય ગણાશે નહીં.)

પેપર તપાસનાર(પરીક્ષક)ની સહી.

.....

प्राप्त गुण : प्रश्न-१ ( ) प्रश्न-२ ( )

(विभाग- १ : नीलकंठ चरित्र)

प्र.१. निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहता है यह लिखिए। **[६]**

१. *''इस लिए मेरा पुत्र वीर, साठ भैंसें और वाड़ी अमर रहे एसे आशीर्वाद दीजिए ।''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

२. *''मुझे रस्सी की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

३. *''मुझे पुलहाश्रम तप करने के लिए जाना है । अत: आप मुझे पुलहाश्रम का मार्ग दिखाइए ।''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

प्र.२. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण दीजिए। (दो से तीन पंक्तियों में) **[६]**

१. *नीलकंठ ने चौलाई की भाजी नहीं तोड़ी ।*

.....

.....

.....

२. *नीलकंठ ने खड़े होकर खंभा पकड़ लिया ।*

.....

.....

.....

३. *नीलकंठ ने नौ लाख स्वरूप धारण किए ।*

.....

.....

.....

प्र. ३. निम्न में से किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग पर पंद्रह पंक्ति में टूंकनोंध लिखें ।(वर्णनात्मक) **[५]**

१. कृतघ्नी सेवकराम । २. स्त्री-पुरुषों की सभा अलग अलग की । ३. शाप।

प्रसंग :

( ) .....

.....

.....

प्राप्त गुण : प्रश्न-३ ( ) **प्रश्न-४** ( )

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ४. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **[५]**

१. *रामानंद स्वामी जहाँ जाते वहाँ क्या कहते थे ?*

.....

२. *रामानंद स्वामी ने नीलकंठ को दीक्षा देकर कौन से दो नाम दिए ?*

.....

३. *नीलकंठ ने मुक्तानंद स्वामी को पहले कौन सा प्रश्न पूछा ?*

.....

४. *नीलकंठ नरसिंह मेहता के घर क्यों नहीं रूके ?*

.....

५. *नीलकंठवर्णी ने कितने समय तक वन विचरण किया ?*

.....

प्राप्त गुण : प्रश्न-५ ( ) प्रश्न-६ ( ) प्रश्न-७ ( )

प्र. ५. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखें । [६]

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. घनश्याम ने किसे दिव्य दर्शन दिए ?

(अ) सुखनंदन (ब) वेणीराम (क) प्राग (ड) रघुनंदन

जवाब : .....

२. नीलकंठ ने सिरपुर और कामाक्षी में किन किन ब्राह्मणों का परिवर्तन किया ?

(अ) मग्नीराम (ब) रता बशिया (क) पिबैक (ड) तेलंगी

जवाब : .....

३. भगवानदास ने नीलकंठ के दायें पैर में किन चिह्न देखे ?

(अ) अष्टकोण (ब) मीन (क) अंकुश (ड) जौ

जवाब : .....

प्र. ६. निम्न विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । [४]

१. घनश्याम ने संवत् १८४८ को ..... के दिन गृह त्याग किया ।

२. नीलकंठ ..... पास अष्टांग योग सिखे ।

३. नीलकंठ ने कृष्णावतार के ..... का कल्याण किया ।

४. नीलकंठ ने तोताद्रि में ..... को स्त्री के त्याग की बातें कही ।

(विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग-१)

प्र. ७. निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहता है यह लिखिए। [६]

१. ''लो, यह सुखडी, आज इसी का दातुन करो ।''

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

२. ''तुम्हारे बुद्धि ज्ञान और कार्यशक्ति - ये गुण काषाय वस्त्र में ही चमकेंगे ।''

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

३. ''मैं कल धाम में जानेवाला हूँ ।''

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

प्राप्त गुण : प्रश्न-८ ( ) प्रश्न-९ ( ) प्रश्न-१० ( )

प्र. ८. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण दीजिए। (दो से तीन पंक्तियों में) [४]

१. एभल खाचर जीवुबा को मारने के लिए तैयार हो गए ।

.....

.....

.....

२. निर्गुण स्वामी ने शास्त्रीजी महाराज के चरणों में कम्बल अर्पण कर दी ।

.....

.....

.....

प्र. ९. नीचे दिए हुए वाक्यों में से केवल <u>पाँच</u> सही वाक्य को ढूँढ़कर सिर्फ उसके नंबर लिखे। [५]

प्रसंग :- भक्तराज झीणाभाई ।

१. वे जितेन्द्रिय पुरुष थे ।२. वे कारियाणी गाँव में रहते थे ।३. वे गधे में से गाय हुए थे । ४. उन्होंने अदीबा के साथ बोलना बंध कर दिया । ५. उन्होंने पंचाळा में महारास कराया । ६. उन्होंने महाराज को बारह दरवाजे के झूले पर झुलाया । ७. उन्होंने महाराज को हठीसिंह की सिफारिश नहीं की । ८. वे श्रीजीमहाराज के अंग रक्षक के रूप में सेवा करते थे । ९. कमळशी वांझा की सेवा अदीबा ने अच्छी तरह से की । १०. श्रीजीमहाराज ने उनकी अर्थी उठाई । ११. उन्होंने पंचाळा में मन्दिर करने की माँग की ।

केवल नंबर :- | | | | | |

प्र. १०. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । [४]

१. देवीदान को दीक्षा देकर महाराज ने क्या नाम रखा ?

.....

२. महाराज डभाण की किन चीजों की प्रशंसा करते थे ?

.....

३. प्रेम और पक्ष की मूर्ति कौन थे ?

.....

४. रणछोडराय ने दर्शन देकर आशाभाई को क्या कहा ?

.....

प्र. ११. निम्न में से किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग पर पंद्रह पंक्ति में टूंकनोंध लिखें ।(वर्णनात्मक) [५]

१. ब्रह्मानंद स्वामी की शीघ्र कवित्व शक्ति । २. जोबनपगी का परिवर्तन ।

३. विषम देशकाल में आशाभाई द्वारा की गई सेवा ।

प्रसंग :

( ) .....

.....

प्राप्त गुण : प्रश्न-११ ( ) **प्रश्न-१२** ( )

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. १२. निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत, यह लिखकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए। **[४]**

१. *देवानंद स्वामी ने डुंगर भक्त को वर्तमान दिए ।* ☐

.....

२. *ब्रह्मानंद स्वामी के आशीर्वाद से दलपतराम कविश्वर हुए ।* ☐

.....

३. *जीवुबा की शादी अमरा पटगर के साथ की गई ।* ☐

.....

४. *जेठाभाई का जन्मस्थल बम्बई था ।* ☐

.....

(विभाग - ३ : निबंध)

प्र. १३. निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब त्रीस वाक्य में निबंध लिखिए। **[१५]**

१. धर्म मार्ग के पोषक और प्रवर्तक - नीलकंठ ।

२. बाल, युवान और वडीलजनों की संस्कार गंगोत्री - अक्षरपुरुषोत्तम संस्था ।

३. प्रमुखस्वामी महाराज की कर्मनिष्ठा ।

निबंध :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्राप्त गुण : प्रश्न-१३

* * *